GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
DIRECTORATE OF EDUCATION: SCHOOL BRANCH
OLD SECRETARIAT: DELHI-110054

No. F. DE.23 (386)/Dengue/Sch.Br./2015/ 1157 Dated: 13.8.15

CIRCULAR

Subject: - Preparedness to deal with the situation of Vector Borne Diseases

Please find enclosed a letter No. F.15(11)/2013/DHS/SHS/Prog./2436-40 dated 29.07.2015 received from Dr. Ashok Kumar, Addl. Director (SHS), Directorate of Health Services (School Health Scheme), Govt. of NCT of Delhi, DGD Building, Karkardooma, Delhi regarding symptoms and treatment of Malaria and Dengue. All the Head of Schools are directed to make the students and staff aware about the symptoms and the precautions to be taken by the schools for preventing spread of vector borne diseases.

13/8/15

(USHA RANI)
DDE (SCHOOL)

Encl: as above

All HOSs of Govt. & Govt. Aided/Unaided Recognized School through DEL-E

No. F. DE.23 (386)/Dengue/Sch.Br./2015/ 1157 Dated: 13.8.15

Copy to :-
1. Ps to Secretary (Education), Govt. of NCT of Delhi.
2. PS to Director (Education), Govt. of NCT of Delhi.
3. Addl. Director (SHS), Directorate of Health Services (School Health Scheme), Govt. of NCT of Delhi, DGD Building Karkardooma, Delhi-92.
4. All RDEs/DDEs (District/Zone)/DEOs.
5. OS (IT) to please paste it on the website.
6. Guard file.

13/8/15

(TAPESHWAR)
DEO (SCHOOL)

GOVERNMENT OF NCT OF DELHI
SCHOOL HEALTH SCHEME
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES
DGD BUILDING KARKARDOOMA, DELHI-92
Ph: 22377419, Fax 22377478 schoolhealthscheme@gmail.com

No.F15 (11)/2013/DHS/SHS/Prog. -2436-40 Dated: 29/07/15

To,

The Additional Director (Schools)
Directorate of Education
Old Secretariat
Delhi-54

Subject: Preparedness to deal with the situation of vector borne diseases.

Madam,

As you are aware with the onset of monsoon the reporting of Dengue cases has started. The incidence of Dengue cases increases during this season.

We hope to see the active participation of schools of Directorate of Education, further you are requested to kindly take up this important issue by forwarding the enclosed attachment to all the head of the schools who will further disseminate the Information on Vector Borne Diseases and their Prevention to the target population in a continuum way.

All HOS may also be instructed to organize awareness generation sessions on Dengue & other Vector Borne diseases.

Dr. Ashok Kumar
Additional Director, SHS

No.F15 (11)/2013/DHS/SHS/Prog. Dated:

Copy to:

1. PA to DHS, F-17, Karkardooma, Delhi-32.
2. Director, Directorate of Education, Old Secretariat, Delhi -54
3. Dr. Charan Singh, Additional Director, DHS, F-17, Karkardooma, Delhi-32.
4. All District Incharges, School Health Scheme.
5. Office Copy.

Dr. Ashok Kumar
Additional Director, SHS

मलेरिया और डेंगू

मलेरिया

मलेरिया और डेंगू संक्रामक रोग हैं | मलेरिया-मलेरिया परजीवी के कारण एवं डेंगू - डेंगू वायरस के संक्रमण से होता हैं|मच्छर दोनों बीमारियो में इंटरमीडिएट होस्ट होता हैं | इंफेक्टिव मच्छर ही रोग फैला सकता हैं | मच्छर को (बीमार व्यक्ति का रक्त चूसने के बाद) इंफेक्टिव होने में 7 से 10 दिन लगते हैं | इंफेक्टिव मच्छर द्वारा काटे जाने के 07 -14 दिन बाद काटे गए व्यक्ति को बुखार आना शुरू हो सकता हैं |

- **मलेरिया के क्या लक्षण हैं ?**
- ठंड लगकर बुखार आना, सिरदर्द, उबकाई, उल्टी, मांस पेशियों में दर्द और थकान मलेरिया का प्रधान लक्षण हैं | मलेरिया से एनीमिया हो सकता हैं क्यूंकि लाल रक्त कोशिकाओ की क्षति हो जाती हैं | शुरू के कुछ दिन बुखार रोज आकर पसीना देकर उत्तर जाता हैं |

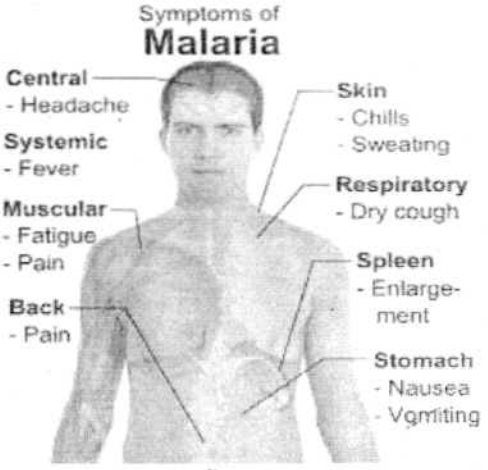

- **मलेरिया खतरनाक क्यों हैं ?**
- प्लासमोडियम फाल्सीपैरम मलेरिया का तुरंत इलाज न किया गया तो दिमागी मलेरिया हो सकता हैं जो मरीज को जकड़ लेता हैं, मानसिक भ्रम की स्थिति हो सकती हैं, रोगी कोमा (मूर्छा) में जा सकता हैं , गुर्दा फेल हो सकता हैं और यहाँ तक की मौत भी हो सकती हैं |
- **निदान - क्या करें ?**
- **रक्त की जॉच -** कोई भी बुखार मलेरिया हो सकता है। अतः तुरन्त रक्त की जॉच करवाना, सभांवित उपचार लेना तथा मलेरिया पाये जाने पर आमूल उपचार लेना आवश्यक है।

- **मलेरिया का क्या उपचार हैं ?**
  - प्रत्येक बुखार के रोगी की खून की जांच के बाद मलेरिया का सम्भावित रोगी मानकर तुरंत क्लोरोक्विन की गोली देनी चाहिए।
  - मलेरिया को तय दवाओ से ठीक किया जा सकता हैं | दवाओ की किस्म व उपचार की अवधी- मलेरिया के प्रकार पर निर्भर करती हैं |

डेंगू

डेंगू मच्छरों द्वारा फैलाया जाने वाला संक्रमण हैं जो गंभीर फ्लू जैसी बीमारी का कारण बनता हैं और कभी-कभी डेंगू हेमोरेजिक बुखार में बदल सकता हैं जिससे जान भी जा सकती हैं | डेंगू वायरस को फैलने से रोकने का एकमात्र उपाय, मच्छरों को खत्म करना या पनपने नही देना |

- **डेंगू कैसे फैलता हैं ?**

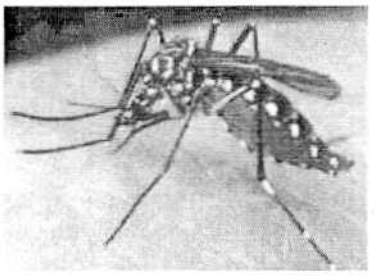

- डेंगू वायरस इंसानो में संक्रमित मादा एडीस मच्छर के काटने से फैलता हैं | ये मच्छर डेंगू से संक्रमित व्यक्ति के खून से अपना भोजन प्राप्त करते हुए डेंगू के वायरस भी ग्रहण कर लेते हैं | 8 से 10 दिनों में वायरस के ऊष्मायन के बाद संक्रमित मच्छर अपनी बाकी की जिंदगी में जिन स्वस्थ व्यक्तियों को काटेगा इनमे डेंगू रोग को फैलने में सक्षम हो जाता हैं |

- **डेंगू के लक्षण क्या हैं ?**

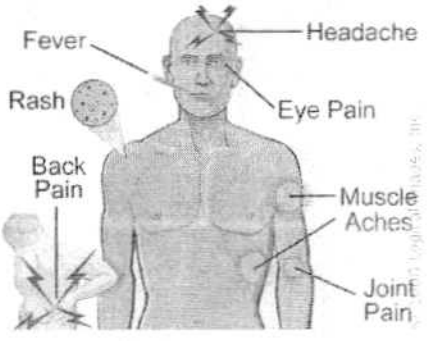

  - डेंगू में बुखार गंभीर एवं फ्लू जैसा होता हैं फ्लू जैसे डेंगू के लक्षण उम्र के मुताबिक अलग अलग होते हैं |
  - शिशुओ और छोटे बच्चों को बुखार के साथ लाल दाने निकल आते हैं |
  - बड़े बच्चों व व्यस्कों को हल्का या ज्यादा बुखार, तेज सिरदर्द, आँखों के पीछे दर्द, मांस पेशियों व जोड़ो में दर्द और लाल दाने पड़ने की शिकायत हो सकती हैं |

- **डेंगू हेमोरेजिक फीवर (शरीर से रक्तस्त्राव के साथ बुखार) जानलेवा जटिलता हैं जिसकी विशेषताए हैं:**
  - डेंगू बुखार जैसे लक्षण
  - निरंतर तेज पेट दर्द
  - त्वचा पीली, ठंडी या चिपचिपी हो जाता हैं
  - नाक, मुँह व मसूड़ों से खून निकलना और त्वचा पर लाल दाने उभर आना
  - खून के साथ या बिना खून के बार बार उल्टी आना
  - बेचैनी
  - मरीज का मुँह सूखता है और प्यास लगती है
  - कमजोर नब्ज़
  - सांस लेने में तकलीफ

- **मलेरिया व डेंगू की रोकथाम**
  - घरों के अंदर कीटनाशकों का छिडकाव कराया जाए, जिससे मच्छरो का नष्ट किया जा सके।
  - घरो में व आसपास गड्डो, नालियो, बेकार पडे खाली डिब्बो, पानी की टंकियो, गमलो, टायर ट्यूब मे पानी इकट्ठा न होने दें।
  - छत पर रखी पानी की टंकियो के ढक्कन सही प्रकार से बंद रखें | पानी रखने वाले बर्तनों / हौदियों को ढक कर रखें |
  - चूकि आमतौर पर यह मच्छर साफ पानी मे जल्दी पनपता है। इसलिए सप्ताह मे एक बार पानी से भरी टंकियो मटके, कूलर आदि खाली करके सुखा दे।
  - कुलरों को सप्ताह में एक बार खाली कर के अच्छे से सुखाये यदि सुखाना सम्भव ना हो तो कुलर में **"टेमीफोस"** नामक दवाई समय समय पर डलवाते रहे।

- खिडकियो, दरवाजो मे जालियां लगवा लें। मच्छरदानी इस्तेमाल करें या मच्छर निवारक क्रीम, व कोइल आदि इस्तेमाल करे।
- हफ्ते में कम से कम एक बार कूलर व छोटे कंटेनरों से पानी सुखा दे या बहा दे।
- स्कूल व घरो के आस-पास गड्ढो व नालियो में पानी एकत्र नही रहने दे, गड्ढे भर दे या पानी में **"टेमीफोस"** नामक दवाई समय समय पर डलवा दे।
- बच्चो को ऐसे कपडे पहनने चाहिए जो हाथो व पैरो को पूरी तरह ढक कर रखे।

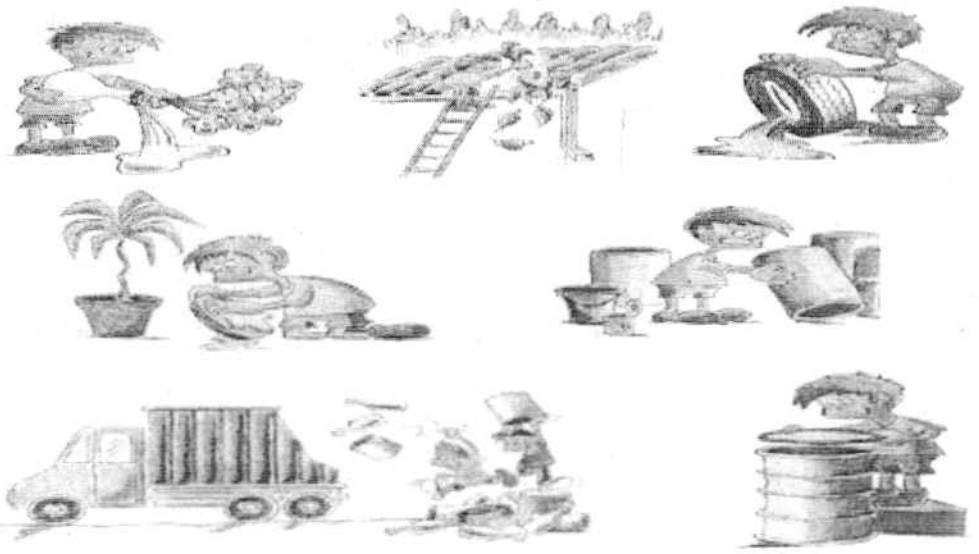

- **डेंगू बुखार का इलाज कैसे कर सकते है ?**
- हालांकि डेंगू बुखार के लिए कोई ख़ास उपचार नही है, किन्तु बुखार का वक़्त रहते पता लगने पर इससे होने वाले कष्ट व मौतों को रोका जा सकता है।
    - डेंगू बुखार के लक्षणों की शीघ्र जानकारी इसके उपचार में सहायक होती है।
    - डेंगू शॉक सिंड्रोम के लिए खून चढ़ाने की जरुरत पड़ सकती है।
    - रक्तस्त्राव वाले डेंगू बुखार के लिए विशेष चिकित्सीय देखभाल द्वारा जान बचायी जा सकती है।
    - सभी संदिग्ध डेंगू के मामलो का शीघ्र चिकित्सीय उपचार होना चाहिए अधिक मरीज होने पर स्वास्थय अधिकारियो को रिपोर्ट करनी चाहिए।